A (Printed Pages 3)

(20623) Roll No. 1901180.5010

B.A.M.S. - III Prof.

NP-5431

B.A.M.S. (Ayurveda) Main & Suppli. Examination, May-2023

P-I : Charak Samhita-Uttarardha

(BAMS-308)

Time : Three Hours] *[Maximum Marks : 100*

नोट : **सभी** प्रश्न अनिवार्य हैं। उत्तर सुसंगत ही लिखिए।

अंक सम्मुख अंकित हैं।

1. निम्नलिखित का संक्षिप्त उत्तर लिखिए। 10×2=20

(i) कुटिप्रावेशिक रसायन

(ii) त्रिफला रसायन

(iii) सर्वोत्तम वाजीकरण

(iv) शुक्रधातुगत ज्वर

(v) त्रिविध शिवत्र का वर्णन

P.T.O.

(vi) क्षतक्षीण का निदान

(vii) शोध का असाध्य लक्षण

(viii) क्षारगुटिका के घटक

(ix) व्रण के भेद

(x) वातव्याधि के भेद

2. निम्नलिखित का सारगर्भित उत्तर लिखिए। 4×5=20

(क) फलमात्रासिद्धि का विवेचन कीजिए।

(ख) आस्थापन बस्ति के योग्य रोगी एवं रोग

(ग) पयांसि तक्राणि रसाः सयूषास्तोय।

(घ) पाणिपाद स्फुटनं तीव्र वेदानम् ।

दीर्घ उत्तरीय प्रश्न

3. 'संबृहणं तत्र कृशस्य कार्यं संशोधनम्'' किस व्याधि के सन्दर्भ में कहा गया है? उसका निदान, लक्षण, भेद, सम्प्राप्ति एवं सामान्य चिकित्सा का संक्षेप में वर्णन करते हुए इस व्याधि के चरकसंहिता में वर्णित पाँच योगों का नाम लिखिए। 15

4. ग्रहणी दोष के निदान, सम्प्राप्ति, प्रकार एवं चिकित्सा लिखिए। 15

5. (क) इक्ष्वाकु के पर्याय, प्रयोग एवं योगों का वर्णन कीजिए। 7.5

(ख) मदनफल संग्रह विधि एवं वमन के योग्य अयोग्य लिखिए। 7.5

6. (क) निरूह वस्ति व्यापद् के कारण एवं लक्षण लिखिए। 7.5

(ख) महादोषकर भाव, सदातुर, परिकर्तिका का वर्णन कीजिए। 7.5